an>

Title: Regarding power shortage in Ballia Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री भरत सिंह (बलिया) : माननीय सभापति, आपने मुझे लोकसभा में पहली बार बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं आपका बलिया लोकसभा क्षेत्र के 20 लाख लोगों की ओर से धन्यवाद करता हूं। हिन्दुस्तान की आजादी में बलिया का सबसे निर्णायक रोल रहा है। क्रांति की शुरुआत बलिया से हुई थी। मंगल पांडेय जी ने पहली बार क्रांति की मशाल जलाई थी।

माननीय सभापति : यह जीरो आवर है। आप विषय पर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री भरत सिंह : मैं मूल विषय पर आ रहा हूं। आज बलिया की कितनी उपेक्षा हो रही है। बगल के आजमगढ़ में 24 घंटे बिजली रहती है। 16 मई को हम चुने गए, पूरे पूर्वांचल की बिजली व्यवस्था को तहस नहस कर दिया गया।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : धर्मेन्द्र जी, आप क्यों परेशान हो रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री भरत सिंह : हमें बोलने दीजिए।...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : यह चन्द्रशेखर जी की जन्मभूमि है।...(व्यवधान)

श्री भरत सिंह : मैं केवल बलिया की बात नहीं कह रहा हूं। पूरे पूर्वांचल में बिजली की व्यवस्था 16 मई के बाद तहस नहस हो गई। एशिया का सबसे बड़ा पावर ग्रिड बलिया के इब्राहिम पट्टी में है। जिस समय सैंकड़ों एकड़ किसानों की जमीन ली गई, उस समय किसानों को आश्वासन दिया गया कि आज से बिजली बलिया को दी जाएगी। आज तक एक यूनिट बिजली बलिया को नहीं दी गई। पावर ग्रिड इब्राहिमपट्टी से हिमाचल प्रदेश को बिजली जाती है, दिल्ली को बिजली जाती है। हर जगह बिजली जाती है लेकिन बलिया में नहीं है। आज बलिया में 1960-70 के दशक का बिजली के तार जर्जर हो गए हैं, आए दिन तारों से एक्सीडेंट हो रहे हैं, जान-माल का नुकसान हो रहा है।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि बलिया और गाजीपुर जनपदों की तार व्यवस्था को बदला जाए। जर्जर ट्रांसफार्मरों को बदला जाए और बिजली की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। आजमगढ़ में 24 घंटे बिजली रहती है, अन्य जगह रहती है तो बलिया में क्यों नहीं रहती है? बलिया का क्या गुनाह है? पूर्वांचल में कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। हिन्दुस्तान में, पूरे उत्तर प्रदेश में हर जनपद में बिजली का पैमाना बराबर होना चाहिए।

माननीय सभापति : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री भरत सिंह : महोदय, मुझे थोड़ा समय दीजिए। मैं पहली बार बोल रहा हूं।

माननीय सभापति : जो उनके लिए समय है वही आपके लिए है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय सभापति : मेरी अनुमति के बिना कही गई बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

माननीय सभापति : अब आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री भरत सिंह : महोदय, मैं मांग करता हूं कि पूरे पूर्वांचल में, पूरे प्रदेश में बिजली की बराबर व्यवस्था की जाए। हर जनपद को बराबर बिजली मिलनी चाहिए, कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए चाहे वह जिला किसी का भी हो। भारत सरकार बलिया में जर्जर तारों को बदलने की व्यवस्था करें।